

---

shrIj nAnasarasvatI(bAsara) bhaktidhArAstotram

श्रीज्ञानसरस्वती(बासर) भक्तिधारास्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : sarasvatIbhaktidhArAstotram

File name : sarasvatIbhaktidhArAstotram.itx

Category : devii, sarasvatI, devI

Location : doc\_devii

Author : Ramadas

Transliterated by : Malleswara Rao Yellapragada malleswararao at yahoo.com

Proofread by : Malleswara Rao Yellapragada, PSA Easwaran

Latest update : January 4, 2020

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीज्ञानसरस्वती(बासर) भक्तिधारास्तोत्रम्





विहितनमस्कारशरण्यां सुखप्रदां  
ॐकारपूरितनामार्चनां शुभप्रदाम् ।  
पुरस्कारसहितदर्शनां फलप्रदां  
बासरक्षेत्रदेवीं भज सरस्वतीं मातरम् ॥ १ ॥  
पञ्चामृताभिषेकेन कामितफलदायिकां  
नैवेद्यनिवेदनेन सकलार्थसाधिकाम् ।  
नीराजनदर्शनेन सकलार्थसाधिकां  
बासरक्षेत्रदेवीं भज सरस्वतीं मातरम् ॥ २ ॥  
तव पादाब्जस्पर्शनं पापहरणं  
तव कटाक्षवीक्षणं रोगनिवारणम् ।  
तव मन्त्राक्षतरक्षणं शुभकरं  
बासरक्षेत्रदेवीं भज सरस्वतीं मातरम् ॥ ३ ॥  
नमोऽस्तु वेदव्यासनिर्मितप्रतिष्ठितायै  
नमोऽस्तु महालक्ष्मीमहाकाळीसमेतायै ।  
नमोऽस्तु अष्टतीर्थजलमहिमान्वितायै  
नमोऽस्तु बासरक्षेत्रे विलसितायै ॥ ४ ॥  
नमोऽस्तु गोदावरीतटनिवासिन्यै  
नमोऽस्तु कृपाकटाक्षस्वरूपायै ।  
नमोऽस्तु स्मृतिमात्रप्रसन्नायै  
नमोऽस्तु बासरक्षेत्रे विलसितायै ॥ ५ ॥  
नमोऽस्तु मनोहरपुष्पालङ्कृतायै  
नमोऽस्तु ज्ञानमूलायै ज्ञानगम्यायै ।  
नमोऽस्तु गुरुभक्तिरहस्यप्रकटितायै  
नमोऽस्तु बासरक्षेत्रे विलसितायै ॥ ६ ॥  
नमोऽस्तु मण्डलदीक्षाभिक्षामहादात्र्यै

नमोऽस्तु महामन्त्रतन्त्रप्रवीणायै ।  
नमोऽस्तु सहस्रारचक्रनिलयायै  
नमोऽस्तु बासरक्षेत्रे विलसितायै ॥ ७ ॥  
नमोऽस्तु सर्वपापसंहारिकायै  
नमोऽस्तु योगियोगिनीगणसंसेवितायै ।  
नमोऽस्तु सकलकल्याणशुभदायै  
नमोऽस्तु बासरक्षेत्रे विलसितायै ॥ ८ ॥  
रामदासेन विरचितमिदं पठते भक्तिमान्नरः  
विद्यां श्रेयो विपुलसौख्यं प्राप्नोति ॥

Encoded by Malleswara Rao Yellapragada malleswararaoy at yahoo.com  
Proofread by Malleswara Rao Yellapragada, PSA Easwaran

---

——  
*shrIj nAnasarasvatI(bAsara) bhaktidhArAstotram*  
pdf was typeset on September 17, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

